



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32]
No. 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 12, 1995 (श्रावण 21, 1917)
NEW DELHI SATURDAY, AUGUST 12, 1995 (SRAVANA 21, 1917)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विविध निकाशों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएँ जिनमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं।

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

दिनांक 26 मई 1995

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

बम्बई-400005, दिनांक 4 मई 1995

सं० 2531/12.01.001 (ए)/94-95—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक निदेश देता है कि 25 जुलाई 1994 की अधिसूचना बैंक वि. वि. सं. एफ० एम० सी० (एस० आई० एफ० यू०) 60/27.02.010/94-95 में संशोधन करते हुए वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात रखने से जो छूट 6 अगस्त 1994 से प्रारम्भ पखवार से समाप्त की गयी थी, वह छूट बैंक के सम्बन्ध में 29 अप्रैल 1995 से प्रारम्भ पखवार से पुनः लागू की जाये ।

ए० पी० अय्यर
कार्यपालक निदेशक

सं० 2661/12.01.001 (ए)/94-95—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक निदेश देता है कि 25 जुलाई 1994 की अधिसूचना बैंक वि. वि. सं० एफ० एम० सी० (एस० आई० एफ० यू०) 60/27.02.010/94-95 में संशोधन करते हुए वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात रखने से जो छूट 6 अगस्त 1994 से प्रारम्भ पखवार से समाप्त की गयी थी, वह आन्धा बैंक के सम्बन्ध में 27 मई 1995 से प्रारम्भ पखवार से पुनः लागू की जाये ।

ए० पी० अय्यर
कार्यपालक निदेशक

सं० 2663/12.01.001 (ए)/94-95—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक निदेश देता है कि 25 जुलाई 1994 की अधिसूचना बैंक वि. वि. सं० एफ० एम० सी० (एस० आई० एफ० यू०) 60/27.02.010/94-95 में संशोधन करते हुए वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात रखने से जो छूट 6 अगस्त 1994 से प्रारम्भ पखवार से समाप्त की गयी थी, वह आन्धा बैंक के सम्बन्ध में 27 मई 1995 से प्रारम्भ पखवार से पुनः लागू की जाये ।

है कि 25 जुलाई 1994 की अधिसूचना बँप.वि.वि० सं० एफ० एम. सी. (एस. आई. एफ. यू.) 60/27.02.010/94-95 में संशोधन करते हुए वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात रखने से जो छूट 6 अगस्त 1994 से प्रारम्भ पख्तवार से समाप्त की गयी थी, वह बैंक आफ इंडोसहज के सम्बन्ध में 27 मई 1995 से प्रारम्भ पख्तवार से पुनः लागू की जाये।

की गयी थी, वह फेडरल बैंक लि०, के सम्बन्ध में 27 मई 1995 से प्रारम्भ पख्तवार से पुनः लागू की जाये।

ए० पी० अय्यर
कार्यपालक निदेशक

ए० पी० अय्यर
कार्यपालक निदेशक

सं० 2665/12.01.001(ए)/94-95—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक निदेश देता है कि 25 जुलाई 1994 की अधिसूचना बँप.वि.वि० सं० एफ० एम० सी० (एस० आई० एफ० यू०) 60/27.02.010/94-95 में संशोधन करते हुए वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात रखने से जो छूट 6 अगस्त 1994 से प्रारम्भ पख्तवार से समाप्त

सं. 2667/12.01.001(ए)/94-95—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक निदेश देता है कि 25 जुलाई 1994 की अधिसूचना बँप.वि.वि० सं. एफ. एम. सी. (एस. आई. एफ. यू.) 60/27.02.010/94-95 में संशोधन करते हुए वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात रखने से जो छूट 6 अगस्त 1994 से प्रारम्भ पख्तवार से समाप्त की गयी थी, वह एबीएन एम्सो बैंक एन. वी. के संबंध में 27 मई 1995 से प्रारम्भ पख्तवार से पुनः लागू की जाए।

ए० पी० अय्यर
कार्यपालक निदेशक

सरकारी और बैंक लेखा विभाग

बंबई, दिनांक 12 अगस्त, 1995

भारत के राजपत्र में 20 अप्रैल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल 1954 की अधिसूचना सं० एफ० (8) 70/बी/52 और भारत के दिनांक 21 फरवरी, 1990 के आसाधारण राजपत्र सं० 67 के अंतर्गत यथा संशोधित लोक नृण अधिनियम 1944 की धारा 28 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के नियम 18 के अनुसरण में 31 मई, 1995 को समाप्त माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गयी प्राप्ति एसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वारा विज्ञापित की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दृष्टया आधार मौजद है कि प्रतिभूतियां खो गयी हैं और आवेदकों का दावा न्यायोचित है। नीचे लिखे गये संबंधित दावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय नृण प्रभाग, बंबई को सूचित करें सूची दो भागों में विभाजित की गयी है। भाग "क" में प्रथम पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियां शामिल की गयी हैं और भाग "ख" में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची दी गयी है।

सूची "क"

| प्रतिभूतियों का क्रमांक | मूल्य रु०/प्राप्त | निम्न नाम से जारी की गयी | ब्याज धारित किये जाने की तारीख | दुप्लिकेट जारी करने/ भुगतान मूल्य की भवायगी के लिए दावेदार (रों) का नाम | जारी किये गये प्रादेश की सं० तथा तारीख |
|-------------------------|-------------------|--------------------------|--------------------------------|-------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

9 प्रतिशत राहत बांड 1987 (नई दिल्ली)

सी०एच० 000917, रु० 85,000/- श्री प्रेम प्रकाश जैन

जारी करने के बाद भुगतान नहीं किया गया

श्री प्रेम प्रकाश

पी० बी० धो०/एम०-32/94/95 दिनांक 2 मई, 1995।

सूची "ख"

| प्रतिभूतियों का क्रमांक | मूल्य रु./ ग्राम | निम्न नाम से जारी की गयी | व्याज धारित किये जाने की तारीख | दुप्लिकेट जारी करने/ तथा भुगतान मूल्य की प्रादायगी के लिए शेयेदार(रों) का/के नाम | प्रावेश सं० एवं जारी करने की तारीख | सीक नम्बर अधि- नियम 1944 के संतर्गत सूची के प्रकाशन की तारीख जिसमें प्रति- भूति पहली बार प्रकाशित की गयी थी |
|-------------------------|---------------------|--------------------------|--------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

9 प्रसिद्ध राहत बाँट '82 (भायबला सकिल)

| | | | | |
|-------------------------------|--------------------------------------------------------|-----------|----------------------------------------------------|-----------------------|
| 1. बी.सी. 003327 रु० 50,000—/ | 1. सोनु जहांगीर नाभिर } 2. जहांगीर मिनीचोवर नाभिर } | 21.4.1988 | 1. सोनु जहांगीर नाभिर 2. जहांगीर मिनीचोवर नाभिर | 06-25-10 23.3.1995 |
| 2. बी.सी. 003328 रु० 50,000— | 1. --- वही --- 2. --- वही --- | 21.4.1988 | 1. ---वही--- 2. ---वही--- | 06-25-10 23.3.1995 |

राष्ट्रीय सुरक्षा स्वर्णबाँट 1980 "बी" सिरीज (मन्त्रालय सकिल)

| | | | | |
|--------------------------|----------------|------------|---------------|----------------------------------------------------------------|
| 3. एस.एस.015300 17 ग्राम | एन. एम० नागपवन | 27.10.1986 | एन.एम. नागपवन | जे० एम० शायरी सं० 84, दिनांक 21-3-1995 (एल० एन० 2638) |
|--------------------------|----------------|------------|---------------|----------------------------------------------------------------|

बी० डी० मोहान
छठे मुख्य महा प्रबंधक

वि इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

नई दिल्ली-110 002, दिनांक 18 जुलाई 1995

सं. 13 सी. ए. (परीक्षा) एन/95—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेंगुलेशन 1988 के रेंगुलेशन 22 के अनुसार वि कार्जन्सल आफ वि इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया का नोटिफाइड करने में प्रसन्नता है कि फाउन्डेशन, इंटरमीडिएट (नया पाठ्यक्रम) और फाइनल की परीक्षाएं निम्नलिखित तिथियाँ तथा केन्द्रों पर होंगी बशर्त कि प्रत्येक केन्द्र में परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थी उपस्थित होते हैं।

फाउन्डेशन परीक्षा :

6, 8, 9 और 10 नवम्बर, 1995।

इंटरमीडिएट परीक्षा :

(नया पाठ्यक्रम-चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेंगुलेशन 1988 के शैड्यूल "बी" और अनुच्छेद "2 ए" के अनुसार)

ग्रुप 1 :

1, 2, और 3 नवम्बर, 1995।

ग्रुप 2 :

4, 6 और 8 नवम्बर, 1995।

फाइनल परीक्षा :

ग्रुप 1 :

1, 2, 3 और 4 नवम्बर, 1995।

ग्रुप 2 :

6, 8, 9 और 10 नवम्बर, 1995।

परीक्षा केन्द्र :

1. आगरा

2. अहमदाबाद

3. इलाहाबाद

4. अम्बाला

5. बंगलौर

6. बड़ौदा
7. बेलगांव
8. भोपाल
9. बम्बई
10. कलकत्ता
11. कालीकट
12. चण्डीगढ़
13. कोयम्बटोर
14. कटक
15. दिल्ली/नई दिल्ली
16. इरनाकुलम
17. गोहाटी
18. गाजियाबाद
19. गाँवा
20. हैदराबाद
21. इन्दौर
22. जयपुर
23. जम्मू
24. जोधपुर
25. कानपुर
26. काठमाण्डू (नेपाल)
27. कोट्टायम
28. लखनऊ
29. लुधियाना
30. मद्रास
31. मद्राई
32. मंगलौर
33. मेरठ
34. मस्कट
35. मैसूर
36. नागपुर
37. नासिक
38. पटना
39. पूना
40. रायपुर
41. राजकोट
42. सेलम
43. सूरत

44. तिरुचिरापल्ली
45. त्रिचूर
46. त्रिचेन्द्रम
47. उदुपुर्
48. विजयवाड़ा
49. विशाखापटनम
50. यमुनानगर

केवल इण्टरमीडिएट और फाइनल की परीक्षाएं काठमाण्डू (नेपाल) और मस्कट केंद्रों पर होंगी।

परीक्षा शुल्क की राशि किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा इंस्टीट्यूट के सचिव के पक्ष में हानी चाहिए और उसकी अदायगी नई दिल्ली पर हो।

परिषद अपने विशेषाधिकार के अन्तर्गत किसी भी परीक्षा केंद्र को बिना कोई कारण दिए रद्द कर सकती है।

उक्त परीक्षाओं के लिए आवेदन निर्धारित आवेदन पत्रों पर ही दिया जाना चाहिए जो कि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया के वरिष्ठ उप सचिव (परीक्षा) के इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली स्थित कार्यालय से 5 रुपये प्रति आवेदन पत्र भुगतान करने पर मिल सकता है। उपर्युक्त प्रमाण पत्रों और शुल्क के साथ डिमान्ड ड्राफ्ट लगाकर आवेदन पत्र इस प्रकार भेजा जाना चाहिए कि वह वरिष्ठ उप सचिव (परीक्षा) के कार्यालय में 5-9-95 तक पहुंच जाय। आवेदन पत्र वरिष्ठ उप सचिव (परीक्षा) के दिल्ली कार्यालय में 5-9-95 के बाद 12-9-95 तक 50 रुपये विलम्ब शुल्क के साथ भी स्वीकार किए जायेंगे। 12-9-95 के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। आवेदन पत्र इंस्टीट्यूट के कार्यालय नई दिल्ली में स्वयं भी आकर दिया जा सकता है या रीजनल कार्जन्सलों के बम्बई, मद्रास, कलकत्ता, कानपुर तथा राँचे अहमदाबाद, बंगलौर, हैदराबाद और पूना के कार्यालयों में 5-9-95 तक जमा कराया जा सकता है। इन नगरों में रहने वाले परीक्षार्थियों को इस सुविधा का फायदा उठाने की सलाह दी जाती है।

विभिन्न परीक्षाओं के लिए, देय शुल्क इस प्रकार है—

फाउन्डेशन परीक्षा :

शुल्क : रुपये 250/-

इंटरमीडिएट परीक्षा :

बोनों ग्रुपों के लिए : रुपये 350/-

केवल एक ग्रुप के लिए : रुपये 200/-

*इकाई यूनिट एक : रुपये 200/-

*इकाई यूनिट दो : रुपये 200/-

*इकाई यूनिट तीस : रुपये 150/-

*इकाई यूनिट चार : रुपये 200/-

*इकाई यूनिट शब्दावली का आशय पेपर्स के उस समूह से है जिसे उन अभ्यर्थियों (कैंडिडेट्स) को, जो चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

नियमावली की अनुसूची "बी" के अनुच्छेद 2 "अ" में निर्दिष्ट पाठ्यक्रम के अन्तर्गत परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व दोनों ग्रुपों को पास नहीं कर सके हैं और एक ही ग्रुप में उत्तीर्ण हुए हैं, परीक्षा में बैठना है, और पास करना है।

फाइनल परीक्षा :

| | |
|--------------------------------|-------------|
| केवल एक ग्रुप के लिए | : रु० 225/- |
| दोनों ग्रुपों के लिए | : रु० 400/- |
| विशेष वर्ग (केवल पर्चा 4 या 5) | : रु० 100/- |
| विशेष वर्ग (केवल पर्चा 4 और 5) | : रु० 175/- |

काठमांडू केन्द्र से बैठने वाले इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाार्थियों को रुपये 500/- या उससे सममूल्य की विदेशी मुद्रा का शुल्क अदा करना पड़ेगा चाहे वे इंटरमीडिएट/फाइनल परीक्षा के एक पेपर, एक ग्रुप, एक यूनिट या दो ग्रुपों में बैठ रहे हों।

भक्तक केन्द्र से बैठने वाले इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाार्थियों को क्रमशः \$ 30 और \$ 40 या इसके सममूल्य की भारतीय मुद्रा का शुल्क अदा करना पड़ेगा चाहे वे इंटरमीडिएट/फाइनल परीक्षा के एक पेपर या एक ग्रुप या एक इकाई (यूनिट) या दो ग्रुपों में बैठ रहे हों।

हिन्दी में उत्तर लिखने की एच्छिकता

फाइनल परीक्षा, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के उम्मीदवारों को उत्तर हिन्दी माध्यम से भी देने की सुविधा दी जाती है। बिस्तृत जानकारी आवेदन पत्र के साथ संलग्न सूचना पत्र में उपलब्ध है।

जगदम्बा प्रसाद
वरिष्ठ उप सचिव (परीक्षा)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1995

सं० बी-33 (13)-11/93-स्था० 4—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10 के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 25 के अनुसरण में और निगम की अधिसूचना सं० बी-33 (13)-11/89-स्था० 4 दिनांक 26-12-1990 और संशोधन दिनांक 16-9-1993 के अधिकरण में, अध्यक्ष, कर्मचारी राज्य बीमा निगम एतद्वारा उड़ीसा क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय बोर्ड का पुनर्गठन करते हैं, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :—

अध्यक्ष

1. सन्धी,
श्रम और रोजगार,
उड़ीसा सरकार।

उपाध्यक्ष

2. सचिव,
श्रम और रोजगार विभाग,
उड़ीसा सरकार।

सदस्य

3. श्रम आयुक्त,
उड़ीसा सरकार।
क० रा० बी० योजना का प्रत्यक्ष प्रभारी अधिकारी
पदेन सदस्य

4. निदेशक,
क० रा० बी० योजना,
उड़ीसा सरकार।

पदेन सदस्य

5. उप चिकित्सा आयुक्त,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
दक्षिण-पूर्व जोन,
भुवनेश्वर।
राज्य में रह रहे क० रा० बी० निगम के सदस्य
पदेन सदस्य

6. श्री रामचन्द्र कुन्तिया,
अध्यक्ष, इन्टक
उड़ीसा शाखा, बंगना,
डाकघर, धनेश्वर, गाँव करै,
जिला जाजपुर, भुवनेश्वर,
उड़ीसा।

नियोजक प्रतिनिधि

7. श्री जी० एस० पी० सिन्हा
अध्यक्ष,
उत्कला चैम्बर आफ कामर्स
एण्ड इण्डस्ट्री लि०, बारबसी स्टैंडियम,
डाकघर, बक्सी बाजार
कटक।

नियोजकों के अतिरिक्त प्रतिनिधि

8. श्री जगदीश लाल,
अवैतनिक सचिव,
उड़ीसा उत्पादकता परिषद,
इण्डस्ट्रियल एस्टेट
डाकघर कटक।
9. श्री एम० एल० चांद,
कार्यकारी निदेशक,
उड़ीसा सीमेंट लि०
डाकघर राजगंगपुर,
सुन्दरगढ़, उड़ीसा।
10. श्री वी० डी० बजाज,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
ज० क० पेपर मिल,
डाकघर-अंकपुर, रायगढ़,
उड़ीसा।

कर्मचारी प्रतिनिधि

11. श्री विभूवन्ध प्रताप दास
उपाध्यक्ष, इन्टक,
उड़ीसा शाखा,
भुवनेश्वर ।

कर्मचारियों के अतिरिक्त प्रतिनिधि

12. श्री आर० के० सामन्तरै,
अध्यक्ष, एच० एम० एस०,
डाकघर उड़ीसा बाजार,
कटक ।
13. श्री तपन इत्ता,
अध्यक्ष, यू० टी० यू० सी० (एल० एस०)
एम० एल० ए० कालोनी
भुवनेश्वर ।

कर्मचारियों के अतिरिक्त प्रतिनिधि

14. श्री शिवाजी पटनायक,
अध्यक्ष, सी० आई० टी० यू०
डाकघर-खरवल नगर
भुवनेश्वर, खुर्दा

सदस्य सभिग

15. क्षेत्रीय निदेशक,
क. रा. बी. निगम,
भुवनेश्वर (उड़ीसा)

बी. आर. बासू
महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1995

सं. एन. 15/13/4/1/89-यो. एवं वि.—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम-95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के अनुसारण में महा-निदेशक नं 16-7-1995 एसी तारीख के रूप में निविष्ट की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा हिमाचल प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1977 में निर्दिष्ट चिकित्सा हिसाब हिमाचल प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे ।

अर्थात् :—

| क्रमांक | राजस्व ग्राम का नाम | हदबस्ता संस्था | जिला |
|---------|---------------------|----------------|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | षक खेड़ा | 152 | सोलन |
| 2. | ऊपर खेड़ा | 149 | सोलन |
| 3. | निहला खेड़ा | 150 | सोलन |
| 4. | डाढ़ी कन्या | 147 | सोलन |
| 5. | डाढ़ी भोला | 146 | सोलन |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|------------|-----|------|
| 6. | मिखोवाल | 142 | सोलन |
| 7. | किरपालपुरा | 143 | सोलन |
| 8. | बसोवाल | 137 | सोलन |
| 9. | नंगल उपरला | 78 | सोलन |
| 10. | नंगल निहला | 83 | सोलन |
| 11. | गोयल जमाला | 77 | सोलन |
| 12. | राजपुरा | 128 | सोलन |
| 13. | रंगुवाल | 127 | सोलन |
| 14. | मालांगढ़ | 139 | सोलन |

एस. एन. तिवारी
निदेशक (यो. एवं वि.)

क्षेत्रीय कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर-751007, दिनांक 18 जुलाई 1995

सं. 44-बी-34/12/3/82-हिमालाभ—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 10 (ए) के अंतर्गत ओडोसा राज्य के अंतर्गत गजाम जिले में स्थानीय सामाजिक ब्रह्मपुर क्षेत्र का पुनर्गठन किया गया है जो अधिसूचना के जारी होने की तारीख से प्रभावी होगा । समिति में निम्न लिखित सदस्य होंगे :—

अध्यक्ष

1. विनियम 10 (ए) (1) (ए) के अंतर्गत
उप. समारहर्ता,
ब्रह्मपुर, गजाम ।

सदस्य

2. विनियम 10 (ए) (1) (बी) के अंतर्गत
जिला श्रम अधिकारी,
ब्रह्मपुर ।
3. विनियम 10 (ए) (1) (सी) के अंतर्गत
प्रभारी बीमा चिकित्सा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय,
ब्रह्मपुर ।
4. विनियम 10 (ए) (1) (डी) के अंतर्गत

नियोजकों के प्रतिनिधि

सदस्य

1. श्री आर० के० सेनापती, सम्पादक
ब्रह्मपुर पावागलूम विक्टर्स कोपरेटिव सोसायटी लि०
ब्रह्मपुर ।
2. श्री डी. के. बोहरा, प्रबंधक
मैसर्स शिव सिनेमा,
ब्रह्मपुर ।

पेटेंट कार्यालय के कार्यालयों के पते एवं क्षेत्राधिकार

3. श्री अशोक कुमार नायक,

अवर प्रबन्धक,

जेनेरल इन्जीनियरिंग एण्ड साइंटिफिक वर्क्स

इण्डस्ट्रियल इस्टेट,

बृहमपुर ।

4. श्री एस. एन. मुर्ती,

लिपिक,

मैसर्स जेकल आटोमोबाइल लिमिटेड,

बृहमपुर ।

5. विनियम 10 (ए) (1) (इ) के अंतर्गत

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

सदस्य

1. श्री अजय कुमार चौधरी,

साधारण संपादक

इंडियन रेयार आर्थ कर्मचारी संघ,

बृहमपुर ।

2. श्री एस. सामन्तराय,

उप. सभापति,

जयश्री कीमकालस कर्मचारी संघ,

बृहमपुर ।

3. श्री ललीत मोहन मोहापात्र,

कार्यकारी सभापति

बृहमपुर पावरलूम, श्रमिक कर्मचारी यूनियन,

बृहमपुर ।

4. श्री भास्कर डेहेरा,

एक्जीक्यूटिव सेंसर,

डिस्ट्रिक्ट सिनेमा एम्प्लाइज यूनियन,

बृहमपुर ।

6. विनियम 10 (ए) (1) (एफ) के अंतर्गत

प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय,

कर्मचारी राज्य बीमा निगम,

बृहमपुर ।

सदस्य तथा पदेन सचिव

अनिल कुमार सिन्हा

क्षेत्रीय निदेशक

भ्रम मन्त्रालय

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

केन्द्रीय कार्यालय

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 11 जुलाई 1995

सं० 2/1959/डी० एल० आई०/एकजाम/89/भाग-1/1544—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, एच० डब्ल्यू० टी० स्येम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई जलम अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहायक बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने तथा तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अभिमति संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्ज की गई है, के आश्रय में तथा संलग्न अनुसूची-1 में निर्दिष्ट शर्तों के रहते हुए मैं, एच० डब्ल्यू० टी० स्येम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 2 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करना है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है ।

अनुसूची -I

| क्र० सं० स्थापना का नाम व पता | कोड नं० | सरकारी अधिपत्रना नियमों द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई की क्र० सं० व तिथि | रमाप्ति की तिथि | छूट की अवधि | क्र० सं० नि० आ० फाइल सं० |
|------------------------------------------------------------------------------|------------|----------------------------------------------------------------------------|-----------------|---------------------|--------------------------|
| 1. मै० साया जी आयरन वर्क्स (कान्स्ट्रक्शंस) प्रा० लि० चानी रोड, बडोवा 390002 | गुज०/6325 | 2/1959/डी० एल० आई०/ छूट/ 09, पार्स/ 1 दिनांक 8-3-93 | 30-11-94 | 1-12-94 से 30-11-97 | 2/ 3468/91/ डी० एल० आई० |
| 2. मै० माइल्स इंडिया लि०, 589 सायाजीपुरा अजीना रो बडोवा | गुज०/ 6866 | 2/ 1959/ डी० एल० आई०/ छूट/ 89, दिनांक 17-11-93 | 30-6-91 | 1-7-91 से 30-6-94 | 2/ 5083/ 93 डी० एल० आई० |

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागी का प्रत्येक मास की संचालित को 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निदर्श करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तत्तल दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम के संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीचीन रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अन्तुल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरोध है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी ठान के होने तथा भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी के उस वृत्त में संदाय होती जब तक वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों के प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, तब केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अथवा अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों के अथवा अधिकांश स्पष्ट करने की युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्त में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एच० डब्ल्यू० टी० स्येम

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० 2/1959/डी० एल० आई०/एकजाम/89/भाग-2/1551—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित श्रोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि मैं, एच० डब्ल्यू० टी० स्येम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहायक बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्तुल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा छत्र संशालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिपत्य मंजूरा तथा लिखित जो एलोक स्थापना के नाम के अधीन स्वीकृत है, के अंतर्गत में तथा संशालय संख्या-2 में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन हुए मैं, एच० डब्ल्यू० टी० स्येम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के अंतर्गत से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 2 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्षेत्र—

| क्र० सं० स्थापना का नाम व पता | कोड नं० | सरकारी अधिमूचना जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई की सं० व तिथि | स्माप्ति की तिथि | छूट की अवधि | क० भ० नि० आ० फाइल नं० |
|-------------------------------------------------------------------------------|------------------|---------------------------------------------------------------------|------------------|--------------------|---------------------------------------|
| 1. मै० बिजनेस फार्मस लि० 1/2 डिगला रोड कलकत्ता-700028 | प० सं०/ 12245 | 2/1959/डी० एल० आई०/ 31-8-94 छूट/89 पार्ट-1 दिनांक 17-10-92 | 31-8-94 | 1-9-94 से 31-8-97 | 2/2/380/90/ 90 डी० एल० आई० 31-8-97 |
| 2. मै० डेवलपमेंट कन्सलटेंट्स प्रा० लि० 24/बी, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-700066 | प० सं०/ 13709 | 2/1959/डी० एल० आई०/छूट/ 89/पार्ट-1 दिनांक 11-1-92 | 31-12-94 | 1-1-95 से 31-12-97 | 2/160/78/डी० एल० आई० |

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजन (जिसमें इसमें इसके पर्याप्त नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद्य करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्डक के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाद्य, लेखाओं का अन्तर्गण निरीक्षण प्रभार का संवाद्य आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना के पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अमुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संज्ञेय राशि उस राशि से कम है। जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी को विधिक दायित्व/नाम निर्देशितों के प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना स्पष्टिकरण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है। अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों के यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और पृथक् दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

क० एस० सरमा

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/1559—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, एच० डब्ल्यू० टी० स्यम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से सन्तुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं। जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी

निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, एच० डब्ल्यू० टी० स्यम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बड़ौदा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-1

| क्र० सं० | स्थापना का नाम व पता | कोड नं० | छूट की प्रभावी तिथि | के० स० नि० आ० फाइल सं० |
|----------|-------------------------------------------------------------------------------------|---------------|-----------------------|----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | मै० एक्सप्रेस होटल बड़ौदा-390005 | गुज/1537 | 1-10-94 से 30-9-97 | 2/ 1 बड़ौदा ई० डी० एल० आई०/95 |
| 2. | मै० एक्सप्रेस रेस्टोरेंट्स प्रा० लि० आर० सी० दत्त रोड बड़ौदा-390005 | गुज/1537-मी | 1-10-94 से 30-9-97 | 2/ 2 बड़ौदा ई० डी० एल० आई०/95 |
| 3. | मै० गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कं० लि० पी० ओ० पैट्रोफिल्स 391347 डि० बड़ौदा | गुज/20601 | 1-9-94 से 31-8-97 | 2/3 बड़ौदा/ ई० डी० एल० आई०/95 |
| 4. | मै० एक्सप्रेस टूरस व ट्रैवलस आर० सी० दत्त रोड बड़ौदा- 390005 | गुज/ 1537- ए० | 1-10-94 से 30-9-97 | 2/4 बड़ौदा/ई० डी० एल० आई०/95 |

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निम्नोक्त (जिसके अन्तर्गत इसका पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समकालीन पर निर्दिष्ट करें।

2. निम्नोक्त, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड क के अधीन समकालीन पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना के पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में निर्गोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी श्राव्य आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संशोध राशि उस राशि से कम है। जो कर्मचारी को उस दशा में संशोध होता जब तक वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के

हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी राशि से कम हो जाते तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिवत वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस हकदार नामनिर्देशितों/विधिवत वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एच० डब्ल्यू० टी० स्वेम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 जून 1995

सं० 1-11/87 (सी० पी० पी०)—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम 1956 (1956 का 3) की धारा 26 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अन्तर्गत दिए गए अधिकारों के तहत एवं आयोग की अधिसूचना सं० 1-11/87 (सी पी० पी०) दिनांक 19-9-91 के द्वारा जारी विनियमों के आंशिक रूप से संशोधित करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एतद्वारा निम्नलिखित विनियम जारी करता है जोकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालयों या उनसे सम्बद्ध अन्य संस्थानों में अध्यापकों की नियुक्ति से संबंधित योग्यता के विषय में) विनियम 1991 को संशोधित करता है, तथा :—

(1) ये विनियम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालयों या उनसे संबद्ध अन्य संस्थानों में अध्यापकों की नियुक्ति से संबंधित योग्यता के विषय में) (प्रथम संशोधन) विनियम 1995 कहलाएंगे।

(2) ये विनियम तुरन्त प्रभाव से लागू होंगे।

(3) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय या उनसे सम्बद्ध अन्य संस्थानों में अध्यापकों की नियुक्ति से संबंधित योग्यता के विषय में) विनियम 1991 की अनुसूची-1 में, मद (3) "क" में इन शब्दों के बाद "प्रत्याशी ने उपरोक्त योग्यताओं को पूर्ण करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू० जी० सी०) तथा औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद् (सी० एस० आई० आर०) की संयुक्त प्रवक्ता पात्रता परीक्षा या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अभिस्वीकृत अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो।"

अहाँ कहें यह उद्बन्ध आए उसके बाद यह परन्तुक जोड़ा जाए;

"इसमें कि जिन प्रत्याशियों ने 31 दिसम्बर 1993 तक अपनी पी० एच० डी० का शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत कर दिया हो या एम० फिल की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, उन प्रत्याशियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद् की संयुक्त प्रवक्ता पात्रता परीक्षा या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अभिस्वीकृत अन्य परीक्षा से छूट दी जाती है।"

इन्द्रजीत खन्ना

सचिव

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1995

सं० रा० सं० वि० नि० 1-1/94-यो० एवं सम०—राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 के 26) की धारा (1) (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रा० सं० वि० नि०, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सामान्य विनियम, 1976 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्

1. (1) ये विनियम राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) सामान्य विनियम, 1995 कहें जाएंगे।

(2) ये दिनांक 6 मई, 1994 से प्रभावी समझे जाएं।

2. विनियम 19 (ए) (बी) (1) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित होंगे :—

दैनिक भत्ता : जिस मन्त्रालय के व्यय विभाग के यू० आं० सं० 280/ई. 4/95, दिनांक 25-4-95 के अन्तर्गत रा.स.व. नि० के प्रबन्ध मण्डल/सामान्य परिषद् के उच्चाधिकार प्राप्त निकाय के रूप में मानने का निर्णय लिया है। गैर-सरकारी राक्ष्य अपने निवास/कार्यस्थल से अपनी अनुपस्थिति की सम्पूर्ण अवधि हेतु निम्नलिखित दर पर दैनिक भत्ता प्राप्त करने के अधिकारी होंगे :—

(1) बैठक के दिन (दिनों) हेतु : 300/- रु० प्रतिदिन।

3. विनियम 19 बी (बी) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित होंगे :—

(बी) दैनिक भत्ता : जब संसद/राज्य विधानमण्डल का सत्र चल रहा/अथवा न चल रहा हो तो राक्ष्य अपने दैनिक भत्ते निम्न प्रकार से लेंगे :—

संसद सदस्य :—जैसा कि संसद सदस्य अधिनियम, 1954 के अधीन वेतन, भत्तों तथा पेंशन में लागू है अथवा 300/- प्रतिदिन, इनमें से जो भी अधिक हो।
विधानसभा सदस्य :—जैसा कि राज्य विधान मण्डल के वेतन, भत्तों तथा अयोग्यता समाप्ति अधिनियम के भुगतान के अधिनियम में लागू है अथवा 300/- रु० प्रतिदिन, इनमें से जो भी अधिक हो।

जें० पी० सिंह

प्रबन्ध निदेशक

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND DEVELOPMENT

CENTRE 1, WORLD TRADE CENTRE

Bombay-400 005, the 4th May 1995

No. 2531/12.01.001(A)/94-95.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India directs that in modification of the notification DBOD. No. FMC (SIFU) 60/27.02.010-94/95 dated July 25, 1994, the exemption from maintenance of incremental case reserve ratio withdrawn with effect from the fortnight beginning August 6, 1994 stands restored with effect from the fortnight beginning April 29, 1995 in respect of Deutsche Bank.

A. P. AIYER
Executive Director

The 26th May 1995

No. 2661/12.01.001(A)/94-95.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India directs that in modification of the notification DBOD. No. FMC (SIFU) 60/27.02.010-94/95 dated July 25, 1994, the exemption from maintenance of incremental case reserve ratio withdrawn with effect from the fortnight beginning August 6, 1994 stands restored with effect from the fortnight beginning May 27, 1995 in respect of Andhra Bank.

A. P. AIYER
Executive Director

No. 2663/12.01.001(A)/94-95.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India directs that in modification of the notification DBOD. No. FMC (SIFU) 60/27.02.010-94/95 dated July 25, 1994, the exemption from maintenance of incremental case reserve

ratio withdrawn with effect from the fortnight beginning August 6, 1994 stands restored with effect from the fortnight beginning May 27, 1995 in respect of Banque Indosuez.

A. P. AIYER
Executive Director

No. 2665/12.01.001(A)/94-95.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India directs that in modification of the notification DBOD. No. FMC (SIFU) 60/27.02.010-94/95 dated July 25, 1994, the exemption from maintenance of incremental cash reserve ratio withdrawn with effect from the fortnight beginning August 6, 1994 stands restored with effect from the fortnight beginning May 27, 1995 in respect of Federal Bank Ltd.

A. P. AIYER
Executive Director

No. 2667/12.01.001(A)/94-95.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India directs that in modification of the notification DBOD. No. FMC (SIFU) 60/27.02.010-94/95 dated July 25, 1994, the exemption from maintenance of incremental cash reserve ratio withdrawn with effect from the fortnight beginning August 6, 1994 stands restored with effect from the fortnight beginning May 27, 1995 in respect of ABN AMRO Bank N.V.

A. P. AIYER
Executive Director

DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS

Bombay, the 12th August, 1995

In pursuance of Rules 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amended under the Notification No. F (8)/70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended 31st May 1995 is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief Accountant, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government & Bank Accounts, Central Debt Division, Bombay.

The list has been divided into two parts : List 'A' being securities now advertised for the first time and list 'B' the list of securities previously advertised.

LIST 'A'

| No. of Security | Value in Rs./Gms. | In whose name issued | From what date bearing interest | Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value | No. and date of order issued |
|-----------------|-------------------|----------------------|---------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

New Delhi Circle

9% Relief Bonds 1987

| | | | | | |
|------------|--------------|----------------------|------------------------------|----------------------|------------------------------|
| DH. 000917 | Rs. 65,000/- | Shri Om Prakash Jain | No interest paid since issue | Shri Om Prakash Jain | PDO/M-32/94-95 dated 29-5-95 |
|------------|--------------|----------------------|------------------------------|----------------------|------------------------------|

LIST 'B'

| No. of Security | Value Rs./Gms. | In whose name Issued | From what date bearing interest | Name/s of the claimants for issue of duplicate/ payment of discharge value | No. and date of order issued | Date of publication under P.D. Act, 9 of 1944 of list in which the security was first published |
|-----------------|----------------|----------------------|---------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

9% Relief Bonds 87 (Bombay, Byculla Circle)

| | | | | | | |
|---------------|--------------|--------------------------------------------------------|-----------|--------------------------------------------------------|-----------------------|--|
| 1. BC. 003327 | Rs. 50,000/- | 1. Soonoo Jahangir Nazir 2. Jahangir Minocher Nazir | 21-4-1988 | 1. Soonoo Jahangir Nazir 2. Jahangir Minocher Nazir | 06.25.10 23-3-1995 | |
| 2. BC. 003328 | Rs. 50,00/- | 1. Soonoo Jahangir Nazir 2. Jahangir Minocher Nazir | 21-4-1988 | 1. Soonoo Jahangir Nazir 2. Jahangir Minocher Nazir | 06.25.10 23-3-1995 | |

Madras Circle

National Defence Gold Bond 1980 'B' Sr.

| | | | | | | |
|--------------|---------|----------------|------------|----------------|--|--|
| 3. MS 015300 | 17 gms. | N. M. Nagappan | 27-10-1966 | N. M. Nagappan | | |
|--------------|---------|----------------|------------|----------------|--|--|

J. M. Dairi
No. 84 dt. 21-3-95 (I.N. 2638)

V. D. CHOUHAN
P. Chief General Manager

ANNEXURE

'A' List (English) for the month ended 31st October 1994.

(1) 1st Para (1st Page) : List for the month ended 31st October 1949 to be corrected to read as 31st October 1994.

'B' List (English) (Calcutta Circle) 5 1/2% Loan 2000.

(2) (2nd Page) The fourth Bond CA-015205 should be corrected to read as CA-015208.

Madras Circle NDGB 1980 B

(3) (2nd Page) The name S. Mariappan should be corrected to read as S. Mariappan.

'B' List (English) for the month ended 30th November 1994

(1) (3rd page) The nomenclature of 9% Relief Bonds '87' (Byculla Circle) to be published in connection with Shri S. M. Gavaskar case.

(2) (4th Page) Bond No. DH 00068 of 11% NABARD BONDS 2001 (6th Series) (New Delhi Circle) should be corrected to read as DH 000068.

'A' List (Hindi) for the month ended 30th November 1994

(1) (3rd Page) NDGB 1980 Gr. 'A' प्रमाणिक should be corrected to read as प्रमाणिक

'B' List (Hindi) for the month ended 30th November 1994

(2) (4th Page) 9% R. B. 87 (Byculla) Circle to be published side of the above nomenclature.

(3) (4th Page) 11% NABARD BOND 2001 (6th Series) DH 00068 to be corrected to read as DH 000068.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 18th July 1995

No. 13-CA(EXAM)/N/95.—In pursuance of regulation 22 of the Chartered Accountants Regulations 1948, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify that the Foundation, Intermediate (New syllabus) and Final Examinations, will be held on the dates given below at the following centres provided that sufficient number of candidates offer themselves to appear from each centre:—

FOUNDATION EXAMINATION :

6th, 8th, 9th and 10th November 1995

INTERMEDIATE EXAMINATION : New Syllabus (As per para 2A of Schedule 'B' of C.A. Regulations, 1988).

Group I : 1st, 2nd and 3rd November, 1995.

Group II : 4th, 6th and 8th November, 1995.

FINAL EXAMINATION :

Group I : 1st, 2nd, 3rd and 4th November 1995.

Group II : 6th, 8th, 9th and 10th November 1995.

CENTRES :

01. AGRA
02. AHMEDABAD
03. ALLAHABAD
04. AMBALA
05. BANGALORE
06. BARODA
07. BELGAUM
08. BHOPAL
09. BOMBAY
10. CALCUTTA
11. CALICUT
12. CHANDIGARH
13. COIMBATORE
14. CUTTACK

15. DELHI-NEW DELHI
16. ERNAKULAM
17. GAUHATI
18. GHAZIABAD
19. GOA
20. HYDERABAD
21. INDORE
22. JAIPUR
23. JAMMU
24. JODHPUR
25. KANPUR
26. KATHMANDU (NEPAL)
27. KOTTAYAM
28. LUCKNOW
29. LUDHIANA
30. MADRAS
31. MADURAI
32. MANGALORE
33. MEERUT
34. MUSCAT
35. MYSORE
36. NAGPUR
37. NASIK
38. PATNA
39. POONA
40. RAIPUR
41. RAJKOT
42. SALEM
43. SURAT
44. TIRUCHIRAPALLI
45. TRICHUR
46. TRIVANDRUM
47. UDAIPUR
48. VIJAYAWADA
49. VISAKHAPATNAM
50. YAMUNA NAGAR

Only Intermediate and Final Examinations will be held at Kathmandu (Nepal) and Muscat Centres.

Payment of fees for the examinations should be made only by Demand Draft. The Demand Drafts may be of any nationalised bank and should be drawn in favour of the Secretary to the Institute payable at New Delhi only.

The Council reserves the right to withdraw any centre at any stage without assigning any reason.

Applications for admission to these examinations are required to be made on the relevant prescribed form, copies of which may be obtained from the Senior Deputy Secretary (Examinations). The Institute of Chartered Accountants of India, Indraprastha Marg, New Delhi-110 002, on payment of Rs. 5/- per application form.

Applications together with the necessary certificates and the prescribed fee by Demand Drafts of any nationalised bank may be sent so as to reach the Senior Deputy Secretary (Examinations) at New Delhi not later than 5th September 1995. However, applications will also be received direct by Delhi Office after 5th September, 1995 upto 12th September 1995 with late fee of Rs. 50/-. Applications received after 12th September 1995 shall not be entertained. Applications will also be received by hand delivery at the office of the

Institute at New Delhi and at the Regional and Branch Offices of the Institute at Bombay, Calcutta, Madras, Kanpur, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad and Poona upto 5th September 1995.

Candidates residing in these cities are advised to take advantage of this facility.

The fees payable for the various examinations are as under:—

FOUNDATION EXAMINATION:

Fee Rs. 250/-

INTERMEDIATE EXAMINATION:

For Both the Groups—Rs. 350/-

For One of the Group—Rs. 200/-

For *Unit 1—Rs. 200/-

For *Unit 2—Rs. 200/-

For *Unit 3—Rs. 150/-

For *Unit 4—Rs. 200/-

*The expression 'unit' is a set of papers in which candidates, who have passed in any one but not in both the groups of the Intermediate Examination prior to the commencement of examination under the syllabus specified in paragraph 2A of Schedule 'B' of Chartered Accountants Regulations, 1988, are required to appear and pass.

FINAL EXAMINATION:

For One Group Only—Rs. 225/-

For Both Groups—Rs. 400/-

Special Category (Paper 4 or 5)—Rs. 100/-

Special Category (paper 4 and 5)—Rs. 175/-

Candidates of Intermediate and Final Examinations opting for Kathmandu centre are required to remit Rs. 500/- or its equivalent relevant foreign currency, irrespective of whether the candidates appear in a single paper, in a group, in a unit or in both the groups.

Candidates of the Intermediate and Final examinations opting for Muscat centre are required to remit \$30 and \$40 respectively or its equivalent Indian currency irrespective of whether the candidates appear in a single paper, in a group, in a unit or in both the groups.

OPTION TO ANSWER PAPERS IN HINDI:

Candidates of Foundation, Intermediate and Final Examinations will be allowed to use the Hindi medium for answering papers. Detailed information will be found printed in the Information sheets attached to the relevant application form.

JAGDAMBA PRASAD

Sr. Dy. Secretary (Exams.)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 12th July 1995

No. V-33(13)-11/93-Estt.IV.—In pursuance of Section 25 of the ESI Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 10 of the ESI (General) Regulations, 1950 and in supersession of the Corporation's Notification No. V-33(13)-11/89-Estt. IV dated 26-12-90 and dated 16-9-93, the Chairman, ESI Corporation hereby reconstitutes the Regional Board for

Orissa Region which shall consist of the following members, namely:—

Chairman

1. Minister,
Labour & Employment,
Govt. of Orissa.

Vice-Chairman

2. The Secretary,
Labour & Employment Deptt.,
Govt. of Orissa.

Member

3. Labour Commissioner,
Govt. of Orissa.

Officer directly Incharge of ESI Scheme
Ex-Officio-Member

4. The Director,
ESI Scheme,
Govt. of Orissa.

Ex-Officio-Member

5. Deputy Medical Commissioner,
ESI Corporation,
South East Zone
Bhubaneswar.

Member of the ESI Corporation residing in the State
Ex-Officio-Member

6. Shri Ram Chander Khuntia, MLA
President, INTUC,
Orissa Branch at Begana, P.O. Dhaneswar,
(Village Karai)
Distt. Jaipur, Bhubaneswar,
Orissa.

Employers' Representative

7. Shri G. S. P. Sinha,
President,
The Utkal Chamber of Commerce
and Industry Ltd., Barabati
Stadium P.O. Buxi Bazar,
Cuttack

Employers' additional representative

8. Shri Jagdish Lal,
Hony. Secretary,
Orissa Productivity Council
At Industrial Estate
P.O. Cuttack.

9. Shri M. L. Chand,
Executive Director,
Orissa Cement Ltd.,
P.O. Rajgangpur,
Sundergarh, Orissa.

10. Shri V. D. Bajaj,
Senior Vice-President,
J.K. Paper Mill,
P.O. Jaykay Pur, Rayagada
Orissa.

Employees' Representative

11. Shri Bibhudendra Pratap Das,
Vice-President, INTUC,
Orissa Branch,
Bhubaneswar.

Employees' additional representative

12. Shri R. K. Samantray,
President, H.M.S.
At P.O. Oriya Bazar,
Cuttack.
13. Shri Tapan Dutta,
President, U.T.U.C. (L.S.)
At M.L.A. Colony
Bhubaneswar.
14. Shri Shibaji Pattnaik,
President, C.I.T.U.
P.O. Kharvalnagar,
Bhubaneswar, Khurda.

Member-Secretary

15. The Regional Director,
ESI Corporation,
Bhubaneswar (Orissa).

B. R. BASU
Director General

New Delhi, the 17th July 1995

No. N-15/13/4/1/89-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-7-95 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Himachal Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1977 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Himachal Pradesh namely :—

| Sl. No. | Name of Revenue Village | Had Bast No. | District |
|---------|-------------------------|--------------|----------|
| 1. | Chack Khera | 152 | Solan |
| 2. | Uppar Khera | 149 | Solan |
| 3. | Nihla Khera | 150 | Solan |
| 4. | Dadi Kania | 147 | Solan |
| 5. | Dadi Bhola | 146 | Solan |
| 6. | Nikhowal | 142 | Solan |
| 7. | Kirpal Pura | 143 | Solan |
| 8. | Dattowal | 137 | Solan |
| 9. | Nangal Nihla | 83 | Solan |
| 10. | Nangal Upprila | 78 | Solan |
| 11. | Goel Jamala | 77 | Solan |
| 12. | Rajpura | 128 | Solan |
| 13. | Ranguwal | 127 | Solan |
| 14. | Nalagarh | 139 | Solan |

S. N. TIWARI
Director (P)

REGIONAL OFFICE ORISSA

Bhubaneswar-7, the 18th June 1995

Sub : Re-constitution of Local Committee.

No. 44-V-34/12/3/82-Bft.—It is hereby notified that the Local Committee, Berhampur Area set up under Regulation-10 (A) of the E. S. I. (General) Regulation-1950 has been re constituted consisting of the following members with effect from the date of the issue of this notification.

Chairman

1. Under Regulation-10 A (1) (a)
Sub-Collector, Berhampur, Ganjam.

Members

2. Under Regulation-10 A (1) (b)
District Labour Officer, Berhampur
3. Under Regulation-10 A (1) (c)
The Insurance Medical Officer-in-Charge, E. S. I. Dispensary, Berhampur.
4. Under Regulation-10 (A) (1) (d)
-Employers' Representatives
- (i) Sri R. K. Senapati, Secretary Berhampur Powerloom Weavers Co-Op. Society Ltd., Berhampur.
- (ii) Sri D. K. Behera, Manager, M/s. Siva Cinema, Berhampur.
- (iii) Sri Ashok Kumar Nayak, Jr. Manager, General Engineering & Scientific Works, Industrial Estate, Berhampur.
- (iv) Sri S. N. Murty, Clerk M/s. Utkal Automobils Ltd, Berhampur.
- 5 Under Regulation-10 A (1) (e)
Employees' Representatives.
- (i) Sri Ajay Kumar Choudhury, General Secretary, Indian rare earth Karmachari Sangha, Berhampur.
- (ii) Sri S. Samantaray, Vive President, Jayashree Chemicals, Karmachari Sangha, Berhampur.
- (iii) Sri Lalit Mohan Mohapatra, Working President, Berhampur Powerloom Sramik Karmachari Union, Berhampur.
- (iv) Sri Bhaskar Behera, Executive Member, Dist. Cinema Employees Union, Berhampur.

Member & Ex-Officio Secretary.

6. Under Regulation-10 A (1) (f)
Manager, Local Office, E. S. I. Corporation, Berhampur.

A. K. SINHA
Regional Director

MINISTRY OF LABOUR

EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION
(CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110 015, the 11th July 1995

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/1544.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, H.W.T. Syiem, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2 (A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of

Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishments and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, H.W.T. Syiem, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Schedule-I

| S. No. | Name & Address of Estt. | Code No. | No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended | Date of expiry | Period for exemption | C.P.F.C.'s file No. |
|--------|----------------------------------------------------------------------------------|----------|---------------------------------------------------------------------------------|----------------|---------------------------|---------------------|
| 1. | M/s. Sayaji Iron Works, . (Contractors) P. Ltd. Chhani Road, Baroda-390002 | GJ/6325 | 2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt/I dt. 8-3-93 | 30-11-94 | 1-12-94 to 30-11-97 | 2/3468/91/DLI |
| 2. | M/s. Miles India Ltd., . 589 Sayaji Pura, Ajina Road, Baroda-390010 | GJ/6866 | 2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt/I dt. 17-11-93 | 30-6-91 | 1-7-91 to 30-6-94 | 2/5683/93/DLI |

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under Clause (a) of Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charge etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member, who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 1/1551.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I, H.W.T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme.)

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the

condition specified in Schedule-II annexed hereto, I, H.W.T. SYIEM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Schedule-I

| Sl. No. | Name & Address of the Estt. | Code No. | No. & date of Govt. Notification vide which exemption was granted/ exemption | Date of expiry | Period for exemption | CPFC's File No. |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------|----------|------------------------------------------------------------------------------|----------------|--------------------------|-----------------|
| 1. | M/s. Business Forins Ltd., 1/2, Digla Road, Calcutta-700028 | WB/12245 | 2/1959/DLI/Excmpt/89 Pt. I, dt. 17-10-92 | 31-8-94 | 1-9-94 to 31-8-97 | 2/2380/90/DLI |
| 2. | M/s. Development Consultants Pvt. Ltd., 24-B, Park Street, Calcutta-700016 | WB/13709 | 2/1959/DLI/Excmpt/89/ Pt. I, dt. 11-1-92 | 31-12-94 | 1-1-95 to 31-12-97 | 2/160/78/DLI |

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member, who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

H. W. T. SYIEM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Excmpt./89/Pt. I/1559.—Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS I, H. W. T. SYIEM, CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making and separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, H.W.T. SYIEM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Baroda from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

Schedule-1

| S. No. | Name & Address of the Establishments | Code No. | Effective date of exemption | CPFC's File No. |
|--------|----------------------------------------------------------------------------------------|-----------|-----------------------------|--------------------|
| 1. | M/s. Express Hotel, Baroda-350005 | GJ/1537 | 1-10-94 to 30-9-97 | 2/1/Baroda/EDLI/95 |
| 2. | M/s. Express Restaurants P. Ltd., R. C. Dutt Road, Baroda-390005 | GJ/1537-B | 1-10/94 to 30-9-97 | 2/2/Baroda/EDLI/95 |
| 3. | M/s. Jujarat Industries Power Company Ltd., P. O. Petrofils 391347 Distt. Baroda | GJ/20601 | 1-9-94 to 31-8-97 | 4/3/Baroda/EDLI/95 |
| 4. | M/s. Express Tours and Travels, R. C. Dutt Road, Baroda-390005 | GJ/1537-A | 1-10-94 to 30-9-97 | 2/4/Baroda/EDLI/95 |

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM

Central Provident Fund Commissioner

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

New Delhi-110002, the 21st June 1995

No. F. 1-11/87 (CPP).—In exercise of powers conferred by clause (e) of Sub-Section (1) of Section 26 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), and in partial modification of the Regulations issued under notification No. F.1-11/87 (CPP) dated 19th September, 1991, the University Grants Commission hereby makes the following Regulations further to amend the University Grants Commission (qualifications required of a person to be appointed to the teaching staff of university and institutions affiliated to it) Regulations, 1991, namely :—

- (1) These Regulations may be called the University Grants Commission (qualifications required of a person to be appointed to the teaching staff of a university and institutions affiliated to it) (1st Amendment) Regulations, 1995.
- (2) They shall come into force with immediate effect.
- (3) In the University Grants Commission (qualifications required of a person to be appointed to the teaching staff of a University and Institutions affiliated to it) Regulations 1991, in Schedule I, Item (3) A after the words.

"Candidates besides fulfilling the above qualifications should have cleared the eligibility test for lecturers conducted by UGC, CSIR or similar test accredited by the UGC".

wherever they occur, the following proviso shall be added;

"—provided that candidates who have submitted Ph. D. thesis or passed the M. Phil. examination by 31st December, 1993 are exempted from the eligibility test for lecturers conducted by UGC, CSIR or similar test accredited by the UGC".

INDERJIT KHANNA. Secy.

NATIONAL COOPERATIVE DEVELOPMENT CORPORATION

New Delhi, the 12th July 1995

No. NGDC : 1-1/94-P&C.—In exercise of the powers conferred by Section 23 (1) (2) of the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), the National Cooperative Development Corporation, hereby makes the following regulation further to amend the National Cooperative Development Corporation General Regulation, 1976, namely :—

1. (i) These regulations may be called the National Cooperative Development Corporation (Amendment) General Regulations, 1995.

(ii) They are deemed to have come into force from 6th May, 1994.

2. For Regulation 19 (A) (b) (i), the following will be substituted :—

Daily Allowance : The Board of Management General Council of the National Cooperative Development Corporation has been decided by Ministry of Finance to be treated as a High Powered Body vide Deptt. of Expenditure's U. O. No. 280/E. IV/95 dated 25-4-95. The non official members will be entitled for daily allowance for their entire period of absence from the place of his residence/business at the following rate :—

(i) For the day(s) of the meeting : Rs. 300/- per day.

3. For Regulation 19 B(b) the following will be substituted :—

"(b) Daily Allowance : When the Parliament/State Legislature is/or is not in session, the member will draw his daily allowance as under :—

MPs :—as applicable under Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954 or Rs. 300/- per day whichever is more.

MLAs :—as applicable under the payment of Salaries and Allowances and Removal of Disqualification Act of the State Legislature or Rs. 300/- per day, whichever is more."

J. P. SINGH
Managing Director
National Cooperative Development Corporation